University in News on 01 October 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी में प्रवेश के लिए इंटरव्यू 10 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पिछले दिनों 1250 सीटों के लिए आयोजित की थी प्रवेश परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों में पीएचडी के लिए सत्र 2021-22 की प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत इंटरव्यू के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई थी। इसी क्रम में प्रवेश के लिए इंटरव्यू 10 से 15 अक्तूबर के बीच आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद अन्य औपचारिकता कर प्रवेश पूरा किया जाएगा।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने साक्षात्कार के लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों को सात अक्तूबर तक यह सूचित करने के लिए कहा है कि 10 से 15 अक्तूबर के बीच साक्षात्कार के लिए उनके यहां कब विभागीय शोध समिति की मीटिंग होगी। ताकि संबंधित विषयों के अर्ह अभ्यर्थियों को इसके बारे में सूचित किया जा सके।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पिछले दिनों पीएचडी फुल टाइम की 1250 व पार्ट टाइम की लगभग 45 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। इसके बाद इसके लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई थी। पीएचडी फुल टाइम की प्रवेश परीक्षा 70 अंकों की लिखित हुई थी, जबकि अब साक्षात्कार 30 अंकों का होगा। साक्षात्कार में जो अभ्यर्थी जेआरएफ उत्तीर्ण है उसे इसके 10 अंक प्राप्त हो जाएंगे। शोध प्रस्तुतीकरण 20 अंक का होगा। जो अभ्यर्थी नेट उत्तीर्ण हैं उन्हें 05 अंक प्राप्त होंगे और साक्षात्कार 20 अंकों का होगा। इसी क्रम में पार्ट टाइम पीएचडी में 1000 शब्दों का रिसर्च प्लान राइट अप लिखना होगा, जिसका मूल्यांकन 70 अंकों में डीआरसी द्वारा किया जाएगा। साक्षात्कार, कार्य अनुभव व शैक्षिक योग्यता के 30 अंक होंगे। इसके आधार पर अंतिम सूची तैयार कर निर्धारित सीटों के सापेक्ष प्रवेश लिए जाएंगे। इस सत्र में पहली बार स्नातक कॉलेज के अर्ह शिक्षकों को भी पीएचडी कराने के लिए सीट आवंटित की जाएगी।

पहले-अंतिम सेमेस्टर के परिणाम जारी

लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों के एमबीए (पांच वर्षीय) बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के आठवें सेमेस्टर, बीएससी होम साइंस फाइनल ईयर समेत कई कोर्सों के पहले सेमेस्टर का परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिया गया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार बीए तीसरे वर्ष, बीएलएलड पहले सेमेस्टर, एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी पहले सेमेस्टर, एमएससी जुलॉजी पहले सेमेस्टर, एमए एमआईएच व जियोग्राफी पहले सेमेस्टर का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

इंटरनल व प्रयोगात्मक परीक्षा के अपलोड करें नंबर

लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों के स्नातक व परास्नातक कोर्सों की दूसरे सेमेस्टर की इंटरनल व प्रयोगात्मक परीक्षाओं के नंबर जल्द अपलोड करने के निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी द्वारा सभी हेड व प्राचार्यों को पत्र भेजकर कहा गया है कि उक्त की परीक्षाएं समाप्त हो गई हैं। किंतु कुछ विभागों व कॉलेजों द्वारा उक्त का इंटरनल नहीं भेजा गया व प्रयोगात्मक परीक्षाओं के अंक विश्वविद्यालय पर अपलोड नहीं किए गए हैं। इससे रिजल्ट नहीं तैयार हो पा रहा है। इसे देखते हुए जल्द से जल्द इसे अपलोड करें।

लविवि देगा फोर्टीफाइड राइस बनाने की ट्रेनिंग

यूनाइटेड नेशंस की पहल पर विवि बनेगा यूपी का केंद्र

लखनऊ। लविवि को नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद जहां विद्यार्थियों को बेहतर प्लेसमेंट के अवसर मिलने लगे हैं वहीं विवि को भी अच्छे प्रोजेक्ट मिलने लगे हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय को यूनाइटेड नेशंस की पहल पर धान से फोर्टीफाइड राइस तैयार करने की ट्रेनिंग राइस मिल संचालकों को देने के लिए यूपी में प्रमुख केंद्र बनाया गया है। जल्द ही इससे संबंधित एमओयू कर इसकी कवायद को आगे बढ़ाया जाएगा। फोर्टीफाइड राइस को बच्चों के लिए ज्यादा ऊर्जावान माना जाता है।

विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी में फूड को लेकर शोध होते हैं। अब संस्थान राइस मिल संचालकों को फोर्टीफिकेशन (चावल में प्रोटीन शामिल करने) की तकनीकी सिखाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह एक काफी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इसके तहत प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों को चिह्नित करके वहां के राइस मिल मालिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ट्रेनिंग भी देगा। उन्होंने बताया कि आगे चलकर इसका प्रयोग मिड-डे-मील में भी किया जा सकेगा। मिल संचालकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी इसके बनाने और प्रयोग करने के लिए भी जागरूक करेंगे। बता दें कि फोर्टीफाइड राइस काफी पौष्टिक होता है। इसमें आयरन, विटामिन, फोलिक एडिड आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीफार्मा-डीफार्मा को फार्मेसी काउंसिल से मिली मान्यता

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में पिछले साल शुरू किया गया था कार्यक्रम

लखनऊ। लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने सत्र 2022-23 के लिए बीफार्मा की 100 और डीफार्मा की 60 सीटों के लिए मान्यता प्रदान की है। विवि में गत वर्ष उक्त कोर्सों की शुरुआत की गई थी।

इस क्रम में फार्मेसी काउंसिल में मान्यता के लिए आवेदन किया गया था। सात सितंबर को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम ने सभी तैयारियों का विश्वविद्यालय न्यू कैंपस में निरीक्षण किया था। इसके बाद शुक्रवार को हुई फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की 376वीं एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में विवि के उक्त कोर्स की सभी सीटों पर प्रवेश हेतु मान्यता दे दी गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने इस उपलब्धि के लिए सभी को बधाई दी।

सोमवार को अवकाश

लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में तीन अक्तूबर को अवकाश घोषित किया गया है। विवि प्रशासन ने पूर्व में सिर्फ विश्वविद्यालय में ही अवकाश घोषित किया था। इस क्रम में लुआक्टा ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को ज्ञापन देकर कॉलेजों में भी इसे लागू करने की मांग की थी। इसके बाद रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने कॉलेजों में भी अवकाश की घोषणा की है।

साइबर सुरक्षा में रोजगार के काफी अवसर

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल व थिंक साइबर इंडिया ने शुक्रवार को 'साइबर सुरक्षा और इसमें उपलब्ध रोजगार के अवसर' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रिटायर्ड कर्नल संजीव रेलिया ने बताया कि साइबर सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, मोबाइल डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने का अभ्यास है। साइबर सुरक्षा उद्योग पर उन्होंने कहा कि इसमें रोजगार के बेहतर अवसर हैं। संचालन अक्षिता सिंह, आयुष गुप्ता, अलोक तिवारी व रवि सोनी ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 8

10 से 15 के बीच पीएचडी साक्षात्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी 2021-22 की लिखित प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। साक्षात्कार 10 से 15 अक्तूबर तक कराने की तैयारी है। इसके लिए प्रवेश समन्वयक ने सभी विभागाध्यक्षों से सात अक्तूबर तक सूचित करने के लिए पत्र लिखा है कि 10 से 15 अक्तूबर के बीच साक्षात्कार के लिए मीटिंग होगी।

एलयू: बीफार्मा में सौ, डीफार्मा में साठ सीटों के लिए मान्यता

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने सत्र 2022-23 के लिए बीफार्मा की 100 और डीफार्मा की 60 सीटों के लिए मान्यता दी। विश्वविद्यालय ने इतनी ही सीटों के लिए आवेदन किया गया था। जिसे काउंसिल ने स्वीकार कर लिया। जबकि कई अन्य कॉलेजों की सीटों में काउंसिल ने कटौती की है।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बिना कटौती सीटें मिलने पर खुशी जताते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व की सराहना की।

दस पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए

एलयू ने दस पाठयक्रमों के परिणाम जारी कर दिए हैं। एमबीए पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के आठवें सेमेस्टर, बीए तृतीय वर्ष, बीएससी होम साइंस छठे सेमेस्टर, समेत अन्य परिणाम जारी किए हैं।

JAGRAN CITY PAGE I & III

धान से फोर्टीफाइड राइस बनाने की मिलेगी ट्रेनिंग

यूनाइटेड नेशंस की वर्ल्ड फूड आर्गेनाइजेशन के साथ लवि करेगा एमओयू, राइस मिल संचालक जानेंगे इस चावल के फायदे

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब राइस मिल संचालकों को धान से फोर्टीफाइड राइस तैयार करने की ट्रेनिंग देगा। उन्हें इस चावल के फायदे भी बताए जाएंगे। इसके लिए यूनाइटेड नेशंस की वर्ल्ड फूड आर्गेनाइजेशन के साथ जल्द ही विश्वविद्यालय एक एमओयू साइन किया जाएगा। खास बात यह है कि यह तकनीक सिखाने के लिए विश्वविद्यालय अपने यहां एक मिनी राइस मिल भी लगाएगा। साथ ही फोर्टीफाइड राइस को लेकर पालिसी बनाने में भी मदद करेगा।

दरअसल, लवि के ओएनजीसी सेंटर में इंस्टीट्यूट आफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलाजी स्थापित है। यहां फूड को लेकर काफी शोध कार्य होते हैं। अब संस्थान मिल संचालकों को फोर्टीफिकेशन (चावल में प्रोटीन को शामिल करना) की तकनीक सिखाएगा। इसके लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शुरू किए जाएंगे।

ट्रेनिंग के लिए लगेगी मिनी राइस मिल : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि फोर्टीफाइड राइस का वजम कम और न्यूट्रीशनल वैल्यू अधिक होती है। हम विशेषज्ञों के माध्यम से राइस मिल संचालकों को इसे तैयार करने की ट्रेनिंग देंगे, ताकि वह अधिक से अधिक फोर्टीफाइड राइस तैयार कर सकें। उन्हें प्रैक्टिकल करके भी दिखाया जाएगा।

मिल संचालकों से लेकर गांव में लोगों को फोर्टीफाइड राइस के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएंगे। इसमें इंस्टीट्यूट आफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलाजी, समाज कार्य विभाग से लेकर कालेज सहयोग करेंगे।

फोर्टीफाइड राइस के फायदे

फोर्टीफाइड राइस कई पोषक तत्वों से युक्त होता है। कई जगह राइस मिलों में इसे विशेष तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें आयरन, विटामिन बी-12, फोलिक एसिड जैसे कई पोषक तत्वों की कोटिंग करके बनाते हैं, जिसकी वजह से इसमें न्यूट्रीशनल वैल्यू भी अधिक हो जाती है। इसे खाने से बच्चों में कुपोषण भी समस्या दूर हो जाएगी। गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों एवं मिड डे मील में भी फोर्टीफाइड चावल वितरण की तैयारी है।

नगर की अन्य महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

इंटरनल के अंकों ने फंसाया द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों एवं सहयुक्त महाविद्यालयों की लापरवाही की वजह से स्नातक, परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम समय से जारी होने में समस्या खड़ी हो गई है। अभी तक इन परीक्षाओं के आंतरिक व प्रयोगात्मक परीक्षाओं के अंक विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपलोड नहीं किए गए, जिसकी वजह से रिजल्ट तैयार किए जाने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी विभागाध्यक्ष एवं महाविद्यालयों को पत्र भेजकर तत्काल अंक अपलोड करने के निर्देश जारी किए हैं।

हाल ही में लवि ने स्नातक छठे सेमेस्टर के परिणाम जारी किए थे। कई परिणाम में विद्यार्थियों को इंटरनल अंक में अनुपस्थित दिखा दिया गया। छात्रों ने इसकी शिकायत परीक्षा नियंत्रक से की थी। जांच में पता चला कि कालेजों ने ही इंटर के अंक नहीं भेजे थे। अब स्नातक और परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम तैयार करने में इंटरनल और प्रयोगातमक परीक्षा के अंक अपलोड न होने से दिक्कत हो रही है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विभागों एवं कालेजों को निर्देश दिए गए हैं कि यूजी-पीजी द्वितीय सेमेस्टर के आंतरिक व प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक अपलोड करके उसकी हार्ड कापी परीक्षाफल प्रकोष्ठ में उपलब्ध करा दें, ताकि समय से परिणाम जारी हो सकें।

खगोल के साथ बच्चों की दुनिया में भी कर रहीं उजाला

डा. अलका मिश्रा • स्वयं

जासं, लखनऊ : वह खुद खगोल की दुनिया में नई बातें खोजने और जानने को आतुर रहती हैं और साथ ही गरीब बच्चों की दुनिया को भी संवारने का काम करती हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोल विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डा. अलका मिश्रा एक विज्ञानी होने के साथ कई ऐसे बच्चों की अभिभावक भी हैं जिन्होंने पढ़ाई के दम पर स्वयं को साबित किया है।

डा. अलका मिश्रा जब 12वीं में थीं तब भी अपने घर के आस-पास के बच्चों को बुलाकर पढ़ाती थी। वह कहती हैं कि यह काम करने की सीख उन्हें पिता स्वर्गीय डा. डीएस मिश्रा से मिली है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की प्रोग्राम आफिसर बनने के बाद उन्होंने इसे आगे बढ़ाने में सक्रियता निभानी शुरू की। इसके बल पर उन्हें जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय पुरस्कार तक हासिल हुए हैं। 19 नवंबर 2015 को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के हाथों उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार भी मिल चुका है।

डा. अलका अभी तक तीन गरीब बच्चों की नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षा तक पढ़ाई का पूरा खर्च उठा चुकी हैं। वे बच्चे अब आत्मनिर्भर होकर दूसरे बच्चों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वह कहती हैं कि मेरी साधना का यही फल है कि मुझसे सीख ले कर बच्चे आगे बढ़ रहे हैं और दूसरे बच्चों को आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं। डा. अलका एनएसएस से जुड़े छात्रों और लोगों के साथ मिलकर मलिन बस्तियों में शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आदि को बढ़ाने में काम करती हैं। वह कहती हैं कि लड़कियों की पढ़ाई बेहद जरूरी है इसीलिए गरीब परिवारों में जहां लड़कियों को पढ़ाई करने का मौका नहीं मिलता वह वहां उन लड़कियों को पढ़ाने व आगे बढ़ने के प्रति न केवल जागरूक करती हैं बल्कि आगे खुद भी मदद को तैयार रहती हैं।

बीबीए, बीसीए, डीफार्मा में हुआ सत्यापन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में शुक्रवार को बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीसीए व डीफार्मा में नए प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के अभिलेखों का सत्यापन हुआ। बीबीए, बीबीए आइबी, बीबीए एमएस के लिए इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंस द्वितीय कैंपस, बीबीए टूरिज्म के छात्र-छात्राओं को इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म स्टडीज, द्वितीय कैंपस, बीसीए के लिए फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग और डीफार्मा के छात्रों के अभिलेखों की जांच इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी में की गई। सुबह 10 बजे छात्र फैकल्टी में पहुंच गए। सत्यापन शाम तक चलता रहा।

i-NEXT PAGE 3

पीएचडी के इंटरव्यू 10 से 15 अक्टूबर के बीच

सभी विभागाध्यक्षों को जारी किया गया लेटर

LUCKNOW (30 SEPT): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 के पीएचडी दाखिले के लिए अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 10 से 15 अक्टूबर के बीच कराने की तैयारी की है. इसके लिए शुक्रवार को प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र जारी किया है, जिसमें पूछा गया है कि साक्षात्कार के लिए कब विभागीय शोध समिति की बैठक होगी. वहां से तिथि आने के बाद अर्ह अभ्यर्थियों को सूचित किया जाएगा.

वेबसाइट पर है सूची

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी के 37 विषयों में फुल टाइम पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के बाद साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है. अब साक्षात्कार होने हैं.

इस तरह मिलेंगे अंक

फुल टाइम पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 70 अंकों की लिखित परीक्षा हुई थी. साक्षात्कार 30 अंकों का होगा. इसमें जो अभ्यर्थी जेआरएफ उत्तीर्ण हैं, उन्हें 10 अंक प्राप्त हो जाएंगे. साथ ही शोध प्रस्तुतीकरण 20 अंक का होगा. जो अभ्यर्थी नेट उत्तीर्ण हैं, उन्हें पांच अंक प्राप्त होंगे.

साइबर सुरक्षा पर हुई संगोष्ठी

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं थिंकसाइबर इंडिया, नोएडा की ओर से शुक्रवार को साइबर सुरक्षा और इसमें उपलब्ध रोजगार के अवसर विषय पर संगोष्ठी हुई. इस अवसर पर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, रिटायर्ड कर्नल संजीव रेलिया ने बताया कि साइबर सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, मोबाइल डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने का अभ्यास है. साइबर सुरक्षा उद्योग के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कैसे आज यह उद्योग आईटी और सॉफ्टवेयर उद्योग की तुलना में बेहतर वेतन पैकेज की पेशकश कर रहा है.

लिखना होगा लेख

पार्ट टाइम पीएचडी में एक हजार शब्दों का रिसर्च प्लान राइटअप लिखना होगा, जिसका मूल्यांकन 70 अंकों में विभागीय शोध समिति (डीआरसी) करेगी. साक्षात्कार, कार्य अनुभव एवं शैक्षिक योग्यता के भी 30 अंक होंगे. इस बार सिर्फ 13 विषय में 46 सीटों पर प्रवेश का मौका रहेगा.

10 पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी

एलयू ने शुक्रवार शाम 10 कोर्सों की सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी किए हैं. इनमें एमबीए पांच वर्षीय बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन आठवें सेमेस्टर, बीए पार्ट-3 तृतीय सेमेस्टर, बीएससी होम साइंस छठा सेमेस्टर, बीएलएड बैचलर आफ एलीमेंट्री एजुकेशन प्रथम सेमेस्टर, एमएससी एप्लाइड जियोलाजी प्रथम सेमेस्टर, एमएससी माइक्रोबायोलाजी चौथा सेमेस्टर, एमएससी जूलाजी प्रथम सेमेस्टर आदि शामिल हैं.

बीफार्मा में 100, डीफार्मा में 60 सीटों की मान्यता

LUCKNOW (30 SEPT): लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज को फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने सत्र 2022-23 के लिए बीफार्म की 100 सीट और डीफार्मा की 60 के लिए मान्यता दे दी है. विश्वविद्यालय ने इतनी सीटों के लिए आवेदन किया था. हाल ही में काउंसिल की टीम ने परिसर का निरीक्षण कर इसे अनुमोदित कर दिया.

किया गया था निरीक्षण

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बीफार्मा की 100 सीट और डीफार्मा की 60 की मान्यता के लिए आवेदन किया था. बीते सात सितंबर को काउंसिल की टीम ने भौतिक निरीक्षण किया. शुक्रवार को काउंसिल की 376वीं एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय की इन सीटों पर प्रवेश के लिए मान्यता दे दी. वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन की मानें तो काउंसिल ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की प्रवेश क्षमता में मानकानुसार तैयारी न होने की वजह से सीटों मे कटौती की है. संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में विश्वविद्यालय उच्चतम आयाम स्थापित करेगा.

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

बीफार्मा-डीफार्मा की सीटों के लिए एलयू को मिली मान्यता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय को फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा सत्र 2022-23 के लिए बीफार्मा की 100 और डीफार्मा की 60 सीटों के लिए मान्यता प्रदान की गई। यहां महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपरोक्त संख्या की सीटों के लिए ही विश्वविद्यालय से अप्लाई किया गया था जो कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा अपने निरीक्षण के पश्चात अनुमोदित कर दिया गया। इस निरीक्षण हेतु विगत 7 सितम्बर 2022 को फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया की टीम द्वारा सभी तैयारियों का भौतिक निरीक्षण किया गया था। शुक्रवार को फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया की 376वीं एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग द्वारा लिये गये निर्णयों मे लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए कोर्सेज की सभी सीटों पर प्रवेश हेतु मान्यता दे दी गयी। यहां यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस सत्र में फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा भौतिक निरीक्षण के पश्चात उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों एवं विश्विद्यालयों की प्रवेश क्षमता में मानकानुसार तैयारी न होने की वजह से सीटों मे कटौती भी की गयी है। इनमें प्रदेश के कई बड़े विश्विद्यालयों के नाम भी शामिल हैं। संस्थान के निदेशक, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन मे फार्मेसी के क्षेत्र में विश्वविद्यालय उच्चतम आयाम स्थापित करेगा।

NBT PAGE 5

एलयू में पीएचडी दाखिले के लिए होगी बैठक

एलयू में पीएचडी (2021-22) दाखिला परीक्षा के तहत साक्षात्कार के लिए समन्वयक प्रवेश ने शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों को 10 से 15 अक्टूबर के बीच विभागीय शोध समिति की बैठक को लेकर निर्देश दिए। एलयू साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर पहले ही जारी कर चुका है।

PIONEER PAGE 3

एलयू पीएचडी के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2021-22 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के तहत साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। साथ ही साक्षात्कार के लिए प्रवेश समन्वयक की तरफ से सभी विभागाध्यक्षों को जानकारी देने के निर्देश दिये है कि 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच साक्षात्कार के लिए विभागीय शोध समिति की बैठक कब होगी। जिससे अभ्यर्थियों को जानकारी दी जा सके।

प्रवेश समन्वयक प्रो पंकज माथुर के अनुसार पीएचडी की परीक्षा में 70 अंको की लिखित परीक्षा हुई थी। जबकि साक्षात्कार 30 अंक के होंगे। साक्षात्कार में जेआरएफ के अभ्यर्थियों को 10 अंक प्राप्त होंगे। जबकि शोध प्रस्तुतीकरण 20 अंक का होगा। जो अभ्यर्थी नेट उत्तीर्ण है उन्हें 5 अंक प्राप्त होंगे और साक्षात्कार 20 अंको का होगा। इसी तरह पार्ट टाइम पीएचडी में 1000 शब्दों का रिसर्च प्लान राइटअप लिखना होगा, जिसका मूल्यांकन डीआरसी द्वारा किया जायेगा। साक्षात्कार, कार्य अनुभव एवं शैक्षिक योग्यता के 30 अंक होंगे।

बीफार्म के लिए 100 सीट, डी फार्म के लिए 60 सीट आवंटित

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज को फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया द्वारा सत्र 2022-23 के लिए बीफार्म की 100 सीट और डीफार्म 60 के लिए मान्यता प्रदान की गई है। मान्यता के लिए पीसीआई की तरफ से विगत 7 सितम्बर 2022 को सभी तैयारियों का भौतिक निरीक्षण किया गया था। तदुपरांत आज पीसीआई की 376वी एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग के द्वारा लिये गये निर्णयों मे लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए कोर्सेज की सभी सीटों पर प्रवेश हेतु मान्यता दे दी गयी।

THE PIONEER PAGE 3

LU VC calls on CM Adityanath

Lucknow (PNS): Vice-Chancellor of Lucknow University Prof AK Rai, along with his colleagues, met Chief Minister Yogi Adityanath regarding the NAAC A++ grading. The vice-chancellor presented the certificate given by NAAC to the chief minister.

Yogi was given information from the team members about their work during the NAAC visit. All the members explained their responsibilities. The chief minister said that the universities should implement the various government schemes so that the students can take advantage of the same. He also said that the universities should do proper documentation work and build such types of museums so that they could link the present to ancient history to protect their culture.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

बी.फार्मा की 100 व डी.फार्मा के लिए 60 सीटों की मान्यता

लखनऊ (एसएनबी)। इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मस्युटिकल साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय को फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा सत्र 2022-23 के लिए बी. फार्मा की 100 सीट और डी. फार्मा 60 के लिए मान्यता दी गई। यहां महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उपरोक्त संख्या की सीटों के लिए ही विश्वविद्यालय से अप्लाई किया गया था जो कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अपने निरीक्षण के पश्चात अनुमोदित कर दिया गया।

इस निरीक्षण के लिए विगत 07 सितम्बर 2022 को फार्मेसी कौसिल ऑफ़ इंडिया की टीम द्वारा सभी तैयारियों का भौतिक निरीक्षण किया गया था। फार्मेसी कौसिल ऑफ़ इंडिया की 376वी एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग के द्वारा लिये गये निर्णयों में लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए कोर्सेज की सभी सीटों पर प्रवेश के लिए मान्यता दे दी गयी। इस सत्र में फार्मेसी कौसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा भौतिक निरीक्षण के पश्चात उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों एवं विश्विद्यालयों की प्रवेश क्षमता में मानकानुसार तैयारी न होने की वजह से सीटों में कटौती हुई है। इनमें प्रदेश में कई वड़े विश्विद्यालयों के नाम भी शामिल है। संस्थान के निदेशक, प्रो.पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को प्रेरणा स्रोत वताते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में फार्मेसी के क्षेत्र मे विश्वविद्यालय उच्चतम आयाम स्थापित करेगा ।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा को साक्षात्कार 10 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी (2021-22) प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची लविवि की वेवसाइट पर पर जारी कर दी गयी थी। प्रवेश समन्वयक ने विभागाध्यक्षों से 7 अक्टूवर 2022 तक साक्षात्कार के लिए उनकी क्या तैयारी है के वारे में पूछा है। पीएचडी फुल टाइम की प्रवेश परीक्षा में 70 अंकों की लिखित परीक्षा सम्पादित हुई थी। साक्षात्कार 30 अंकों का होगा। साक्षात्कार में जो अभ्यर्थी जेआरएफ उत्तीर्ण है उसे जेआरएफ के 10 अंक प्राप्त हो जाएंगे और शोध प्रस्तुतीकरण 20 अंक का होगा। जो अभ्यर्थी नेट उत्तीर्ण है, उन्हें 5 अंक प्राप्त होंगे और साक्षात्कार 20 अंको का होगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

पीएचडी साक्षात्कार के लिए निर्देश जारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी 2021-22 प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट के पीएचडी एडमिशन पेज पर पिछले दिनों जारी कर दी गयी। अब साक्षात्कार के लिए समन्वयक प्रवेश ने विभागों के विभागाध्यक्षों से दिनांक 7 अक्टूबर तक सूचित करने के लिए पत्र लिखा है कि दिनांक 10 से 15 अक्टूबर के बीच कब साक्षात्कार के लिए विभागीय शोध समिति की मीटिंग होगी, जिससे कि सम्बंधित विषयों के अर्ह अभ्यर्थियों को सूचित किया जा सके। आईपीपीआर डायरेक्टर दुर्गेश कुमार ने बताया कि फुल टाइम पीएचडी की प्रवेश परीक्षा में 70 अंकों की लिखित परीक्षा हुई थी एवं साक्षात्कार 30 अंकों का होगा। साक्षात्कार में जो अभ्यर्थी जेआरएफ उत्तीर्ण हैं उसे जेआरएफ के 10 अंक प्राप्त हो जाएंगे और शोध प्रस्तुतीकरण 20 अंक का होगा एवं जो अभ्यर्थी एनईटी उत्तीर्ण है उन्हें 5 अंक प्राप्त होंगे और साक्षात्कार 20 अंको का होगा। पार्टटाइम पीएचडी में 1000 शब्दों का रिसर्च प्लान राइट अप लिखना होगा जिसका मूल्यांकन 70 अंकों में डीआरसी द्वारा किया जाएगा। साक्षात्कार, कार्य अनुभव एवं शैक्षिक योग्यता के 30 अंक होंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

बीफार्मा व डीफार्मा सीटों के लिए मिली मान्यता

नैक से ए डबल प्लस मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली पहली बड़ी उपलब्धि

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक से ए डबल प्लस की ग्रेड मिलने के बाद पहली बड़ी उपलब्धि शुक्रवार को मिल गई। विश्वविद्यालय में अब इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज को फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया की ओर से सत्र 2022-23 के लिए बीफार्मा की 100 सीट और डीफार्मा की 60 सीट के लिए मान्यता मिल गई है।

बड़ी बात ये है कि दोनों सीटों की संख्या के लिए विश्वविद्यालय से आवेदन किया गया था। जो कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया की ओर से अपने निरीक्षण के बाद अनुमोदित कर दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया टीम बीते सात सितंबर को विश्वविद्यालय की सभी तैयारियों का भौतिक निरीक्षण किया गया था। इसके बाद शुक्रवार को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की 376वीं एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में लिये गये निर्णयों में लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से चलाए गए कोर्सेज की सभी सीटों पर प्रवेश के लिए मान्यता दे दी गई है।

सीटों में कटौती के बीच विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : बता दें कि इस सत्र में फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया की ओर से भौतिक निरीक्षण के पश्चात उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की प्रवेश क्षमता में मानकानुसार तैयारी न होने की वजह से सीटों में कटौती की गई है। इनमें प्रदेश के कई बड़े विश्विद्यालयों के नाम भी शामिल हैं। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय को मान्यता मिल गई है।

पीएचडी साक्षात्कार के लिए

"फार्मेसी के क्षेत्र में विश्वविद्यालय उच्चतम आयाम स्थापित करेगा। नैक से ए डबल प्लस मिलने के बाद विश्वविद्यालय के लिए ये सबसे बड़ी उपलब्धि है। जिस तरह से विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा है इसमें सभी शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान है।"

-प्रोफेसर आलोक राय
कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

छात्रों की सूची जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के तहत अर्ह अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर एडमिशन पेज में पीएचडी एडमिशन के पेज पर जारी कर दी है। साक्षात्कार के लिए समन्वयक प्रवेश ने विभागों के विभागाध्यक्षों से सात अक्टूबर तक सूचित करने के लिए पत्र जारी किया गया है। वहीं 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच कब साक्षात्कार के लिए विभागीय शोध समिति की मीटिंग होगी जिससे कि सम्बंधित विषयों के अर्ह अभ्यर्थियों को सूचित किया जायेगा। अधिकारियों ने बताया कि फुल टाइम पीएचडी की प्रवेश परीक्षा में 70 अंकों की लिखित परीक्षा सम्पादित हुई थी। इसका साक्षात्कार 30 अंकों का होगा।